तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
6/5/21	पत्रावली पेश हुई। इस प्रकरण से सम्बद्ध मूल वाद आज अदम पैरवी। अतः वादी के खारिज हो चुकने तो मूल वाद खारिज हो जाने से अब इस प्रकरण में कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं रहती। प्रभावहीन होने से प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है। पत्रा. केवल शुमार होकर नत्थी मूल वाद हो। बाद तकमील कार्यवाही दाखिल दफ्तर होवे। फैसला सुनाया गया।

Signature Not Verified

Digitally signed by Bhaskar Bishn
Date: 2021.07.01 17:45:06 IST
Reason: SelfAttested